

# आठवें दशक के बाद हिंदी साहित्य समय और विचार



संपादक

डॉ. भारती शुक्ला, डॉ. आशा शुक्ला, डॉ. हिमानी उपाध्याय

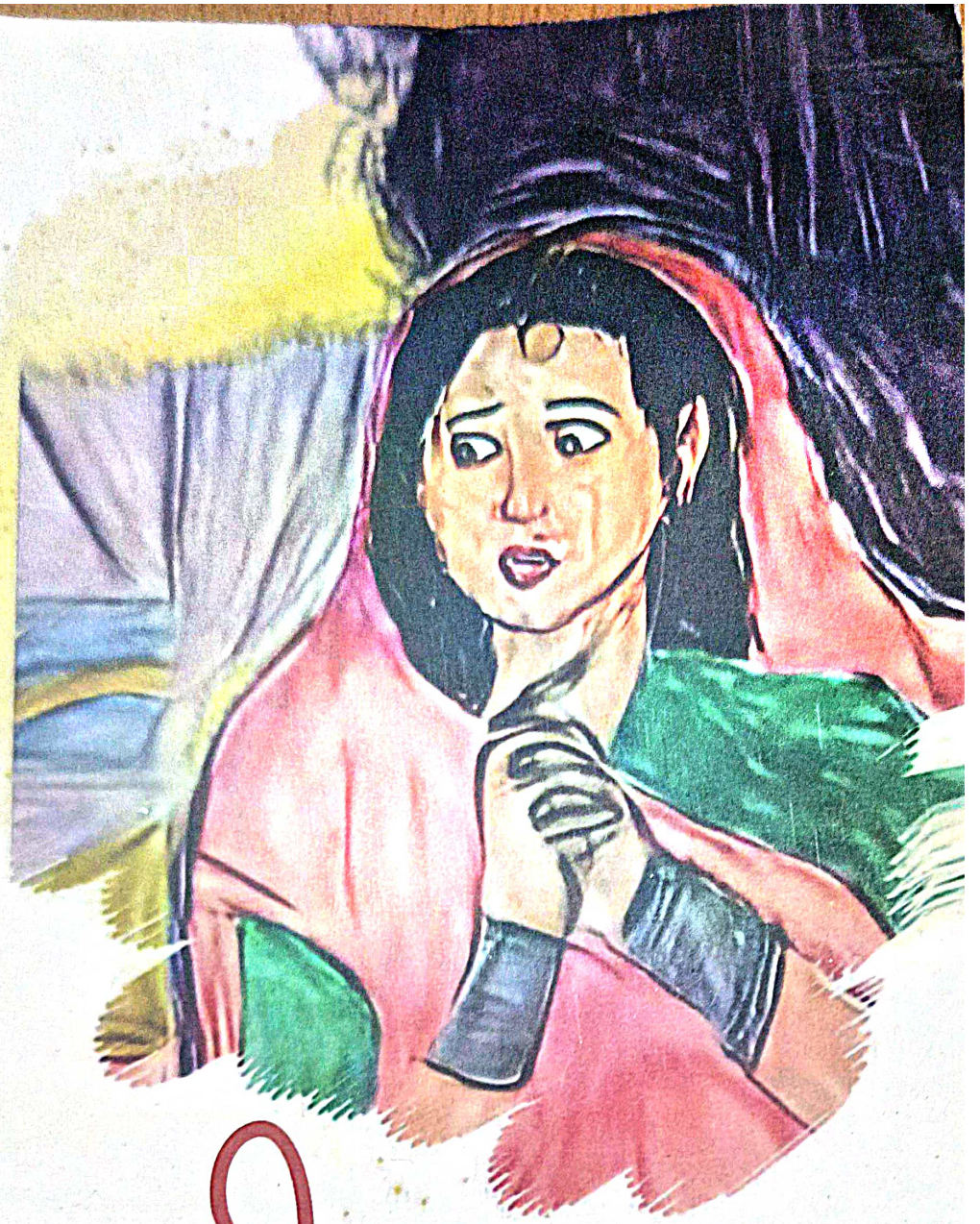
क्र.सं.	अनुक्रम	पृष्ठ क्र.
1	आदिवासी स्त्री का दमन एवं विद्रोह (सीता और मौसी उपन्यास के विशेष संदर्भ में) डॉ. सुनीता साखरे	01-08
2	साम्प्रदायिक संदर्भ और समकालीन हिन्दी कहानी हरियश राय	09-29
3	हिन्दी कहानी : नब्बे के बाद तीन जोड़ी निगाहों के हवाले से - भालचंद्र जोशी, मैत्रेयी पुष्पा, राकेश तिवारी डॉ. अनुराधा गुप्ता	31-67
4	आग और राग के कवि : कुमार कृष्ण डॉ. सतीश पांडेय	69-83
5	पीड़ित पति की आत्मव्यथा : मेरी पत्नी और मेड़िया डॉ. प्रीति सागर	85-98
6	हिन्दी-कहानी : नवाँ दशक समकालीन यथार्थ पर पैनी नज़र प्रो. शंभु गुप्त	99-116
7	चिंगारी से आग की लपट बनने की यात्रा रश्मि रावत	117-132
8	साहित्यिक रचनाओं में 'नागरिक' स्त्री और राष्ट्र का अंतर्संबंध डॉ. सुप्रिया पाठक	133-143
9	आदिवासी हिन्दी कविता के स्त्रीवादी स्वर: पहचान और प्रतिरोध डॉ. अनीश कुमार	145-161

## त्रिगारी से आग की लपट बनने की यात्रा

रश्मि रावत

जैसे आँवे में समाई बहुमुखी कहानी बड़ी ही गझिन है। अलग-अलग कालों के स्त्री किरदार इसमें सजीव हुए हैं। एक की कहानी दूसरी से, तीसरी से... सबकी एक दूसरे के साथ उलझती-सुलझती आगे बढ़ती है। भी क्यों न आखिर स्त्रीत्व तो सबमें है न। इस विशालकाय आवां भीतर से आग की जो ज्वालाएँ उठती हैं उनमें वास्तविकता की धूल परते झलकती हैं। यात्रा सहज नहीं सो ठहराव की भी जरूरत है और गति की भी। संवेदनाओं को अपने भीतर सिंझाते हुए ठहर कर पग धरने का धैर्य सूचना क्रांति के इस दौर में थोड़ा हो गया है। कहानी कहते चलने की मुद्रा में आलोचना-विवेचना के पर रचना अधिक सुग्राह्य हो और उपन्यास अपने अलग-अलग रूप में समग्र रूप में समझ आए शायद। इस मंशा से प्रस्तुत है कि उपन्यास की आलोचनात्मक कहानी।

केंद्रीय चरित्र— नमिता पाँडे। मुंबई महानगरी की ट्रेन की कोच में भागते-हाँफते, सिमट-सकुचा के जगह बनाती नवयुवती की जिंदगी का नक्शा कुछ यों है कि कटखन्नी माँ के बेसिरपैर के सुनती है। खाट से लगे लकवाग्रस्त पिता की सेवा करती है और छोटे भाई और बहन का ध्यान रखती है। माँ अधीर, आत्मलिप्त और प्रवृत्ति की है इसलिए 19-20 साल की उम्र में ही परिपक्वता नमिता की विवशता है। मन में आकांक्षा है कि किसी तरह ऐसी करी मिल जाए कि सांध्यकालीन कक्षाओं के सहारे बीच में छूटी हुई भाई पूरी कर सके। फिलहाल रोजगार के दफ्तरों में दौड़ती है और क्लर्क खर्चों में हाथ बँटाने के लिए श्रमजीवा संस्था में पापड़ बेलती है और साड़ी में फॉल लगाती है। लब्बोलुआब यह कि 'पापड़ बेलना' जिसे मुहावरे में सुनते आए हैं, वह यथार्थ में उसे जी रही है। बीच-बीच में अभिन्न सखी स्मिता के साथ कुछ पल सुख-दुख के जी लेती है। पर भी जीवन पूरा नोरस हो, ऐसा नहीं। नटखट छोटे भाई के साथ कुछ पल जीती है, कम उम्र में ही समझदार, संवेदनशील छोटी बहन मिना का भावनात्मक साहचर्य पाती है। शारीरिक रूप से पर निर्भर वृद्धि खडिया से स्लेट में लिख-लिख कर कम शब्दों में ही जीवन के



# स्त्री की डायरी

पद्मजा शर्मा

## भूमिका

पद्मजा शर्मा की रचनाएँ काफी समय से प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में पढ़ती आई हैं। पिछले दिनों आधी आबादी को संबोधित उनका नियमित स्तंभ भी अखबारों में पढ़ने का अवसर मिला। जब कोरोना के घरबंदी के दिनों में हम आपसदारी से कटकर अपने-अपने दायरे में सिमटे और रचनात्मक ताप और हौसला पाने के लिए, आपस में जुड़ने के लिए सोशल मीडिया ही एकमात्र माध्यम रह गया, उन दिनों भी देखा कि उनके आलेखों पर किस शिद्दत से वहाट्सएप ग्रुप में चर्चा होती है। वहां एक-दूसरे से नितांत भिन्न नजरिया होते हुए भी ईमानदारी और संजीदगी से संवाद संभव था। परस्पर विरोधी बातें भी सुनी-कही जाएँ, यही तो लोकतंत्र का तकाज़ा है, और उसकी ताकत भी। कौन जानता है कि कब विचार-विमर्श की प्रक्रिया में वांछित विचार का बीज किसी की चेतना में पड़ जाए और अनुकूल मौसम पाकर खिल उठे। इस बारम्बरता से ही विमर्श ताकत ग्रहण करते हैं। लहरों की चोट अथक, अनवरत जारी रहे तो एक न एक दिन चट्टान को चूर-चूर होना ही होता है। विमर्शकार की अपनी धार तो इस सक्रिय हस्तक्षेप से पैनी होती ही है।

स्त्री मुक्ति मानवीय मुक्ति का पर्याय है और यह पूरे समाज का सरोकार होना चाहिए। मगर आधुनिकता बोध से विपन्न समाज में ऐसा हो नहीं पाया। स्त्री विषयक प्रश्नों को स्त्रियों का ही सरोकार समझा गया और वे मुद्दे व्यापक समाज में पर्याप्त महत्व हासिल नहीं कर सके। स्त्री विमर्श जन-आंदोलनों, जन-सरोकारों से कटकर एक सीमा तक अकादमिक विमर्श में फंसा हुआ महसूस होता है। ऐसे में स्त्री मुक्ति की मुहिम से किसी भी रूप में जुड़ा हर रचनात्मक उपक्रम महत्त्वपूर्ण हो जाता है।

कविता, कहानियों, शब्द-चित्रों आदि विधाओं में तरह-तरह से स्त्री प्रश्नों पर लगातार लिखने वाली लेखिका स्त्री डायरी में आखिर क्या दर्ज करना चाहती हैं, और स्तंभों के जरिए किसे और क्या संबोधित करना चाहती हैं, इस जिज्ञासा के साथ मैंने

लेखिका की जेंडर चेतना की परतें और भावबोध इन लेखों से उजागर होते हैं। इनसे उनके रचनात्मक साहित्य को समझने की कुँजी भी मिलती है। अलग-अलग समय पर लिखी हुई टिप्पणियाँ और आलेख और किसी मर्मस्पर्शी घटना पर प्रतिक्रियाएँ पुस्तक में उसी तरह शामिल हैं, जैसे घटित हुई हैं। ऐसे में इनके बीच तारतम्य नहीं बन पाना स्वाभाविक ही है। लेखन की अगली कड़ी में विषयवार ढंग से स्त्री सवालों के सभी आयामों को क्रमबद्ध सुव्यवस्थित समेटे पुस्तक का भी इंतजार रहेगा। स्त्री अस्मिता हाशिये की अन्य पहचानों से अपने को किस तरह जोड़ती है और उनके संघर्षों में किस तरह साथ देती है और किस तरह देश की राजनीति, अर्थनीति के सवाल इससे जुड़े हैं, इस स्पष्ट बोध के साथ लिखी गई मुकम्मल किताब में समाधान की भी राहें फूटती दिखाई देंगी।

डायरी गवाह है कि बदलाव की तड़प किस तरह लेखिका के 'अंतर्मन के अंतर्मन' तक व्याप्त है। लेखिका के खुद के और परिवेश के डर, भय, स्वप्न, आकांक्षाएँ, संघर्ष, उपलब्धियाँ, सरोकार इस डायरी में जीवंत और प्रामाणिक रूप से आए हैं। इनसे गुजरना न सिर्फ पाठक को समृद्ध करेगा वरन अपने भीतर झाँकने के लिए, आत्म साक्षात्कार के लिए भी प्रेरित करेगा। स्त्री सवालों से मुठभेड़ किए बिना मनुष्य के लिए मनुष्य के रूप में जीना संभव नहीं है। विरोध पुरुष से नहीं पुरुषवाद से है। बेटे, पति, पुत्र, दोस्त इत्यादि संबंधों में स्त्री पुरुष साथी को भरपूर प्रेम देती है। विरोध उसका पितृसत्ता से, पुरुष वर्चस्व से है। इस बात को निजी जीवन के उदाहरणों से समझाते हुए लेखिका ने इस बात पर हैरानी प्रकट की है कि स्त्री का सच बोलना पुरुष को चार्जशीट जैसा क्यों लगता है जबकि उनका हित भी स्त्रियों के सशक्तिकरण में ही निहित है। स्त्री-विमर्श के नाम पर फैली ऐसी भ्रांतियों का निराकरण भी यह पुस्तक करती है और सबको स्त्री-मुक्ति की राह का हमराही होने का आह्वान करती है।

15 मई 2022

- डॉ. रश्मि रावत

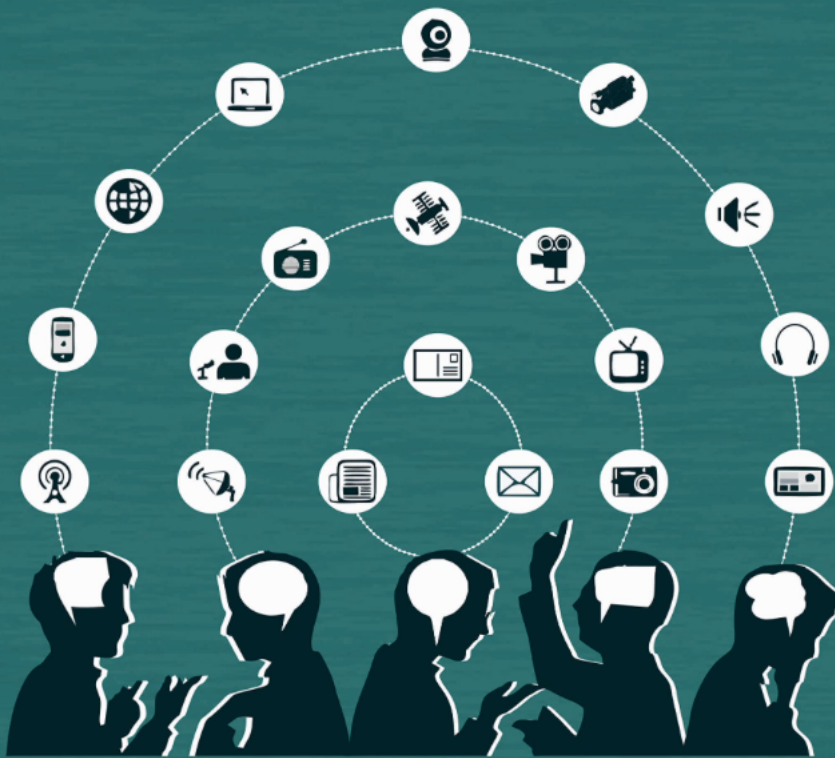
1006 नीलपद्म 2 अपार्टमेंट्स  
सेक्टर 4 वैशाली, गाजियाबाद-201010  
मो. : +91-8383029438

ई-मेल : [rasatsaagar@gmail.com](mailto:rasatsaagar@gmail.com)

# MEDIA AND COMMUNICATION

## A Handbook for Students

EDITED BY  
GUNTASHA K. TULSI AND NIDHI MADAN



---

**Unit 4**  
**Creating Content for Media**

Evolution of News Writing	235
NEHA JINGALA AND DEBASREE BASU	
Report Writing and Editing the Copy	250
AMBRISH SAXENA	
Interview	277
SHARAT SHARMA	
Broadcast Journalism: Past, Present, Future	286
AMITIJ SINGH	
Scripting the Narrative: Creative Writing for Television and Radio	302
PRIYADARSHINI BHATTACHARYYA	
Writing a Movie Review	310
<i>Box: Newton</i> Movie Review: A Brilliantly Resigned, Surprisingly Watchable Story	313
RAHUL DESAI	
Creating an Effective OTT Content Strategy	316
CHRIS SMITH	
<i>Box: How Bridgerton</i> Officially Became Netflix's Biggest Hit Ever	319
JOANNA ROBINSON	
<i>Writing Samples</i>	323
<i>Glossary</i>	337
<i>Citations</i>	344
<i>Notes on Contributors</i>	356



# EVOLUTION OF NEWS WRITING

NEHA JINGALA AND DEBASREE BASU

---

---

Mass communicators primarily hold the responsibility of informing, educating and entertaining the members of society. Using mass media, these communicators can set agenda for good governance of the society, preserve cultural heritage from one generation to another, and confer status on individuals or institutions in the society among other functions. In achieving all the above, different approaches like factual news reporting, feature writing, news analysis, editorial writing and news commentaries, among others are used by journalists.

## THE NEWSPAPER

The contents of a newspaper can be broadly classified into four types, namely news, features, advertisements, and opinion pieces.

- i. News may be defined as an accurate, unbiased account of the significant facts of a timely happening that is of interest to people.
- ii. Features are defined as newspaper/magazine articles or broadcast programmes devoted to the treatment of a particular topic, typically at length.
- iii. Advertisements are promotional campaigns that notify about a product; they even inform the readers about job vacancies, matrimonials, leases etc.
- iv. Opinion pieces such as editorials, columns, letters to the editor, and reviews are views expressed by people from within the organisation and outside.

## News Determinants

Reporters and editors make their decisions by weighing the *news value* of all the facts or stories available each day. Stories with greater news value for readers get written and those stories with greater news value than others are published in the paper. Several factors help to determine the news value of information. These are called *news determinants*. Although different journalists have slightly different lists, the items below are generally agreed upon.

- i. **Timeliness:** News is perishable. It loses value as it ages. Readers want to know now. What happened yesterday, last night, or this morning is more newsworthy than what happened last week. A new twist, angle, discovery, or disclosure, however,



As contemporary citizens of a fast-paced world which negotiates with transforming realities on an everyday basis, we are both shaping and being shaped by multiple media platforms and communication channels. The interaction with various forms of print, electronic, cyber and digital media around us, has led to opinion-building and made our voices reach out, bringing in changes.

This book arises out of this understanding and seeks to address the pivotal topics pertaining to media and communication — the concept and definition of mass media and its related platforms; typology of mass media comprising of print, broadcast, and digital media; advertising and its relation to mass media; the reach and impact of cyber and new media in the present day and content creation on multiple media platforms.

Curated specifically for the Generic Elective students of 'Media and Communication' paper across all three years, this insightful and well-compiled collection of critical essays, case studies and supplementary material offers diverse perspectives that can cater to the general reader as well. The book goes beyond fulfilling curriculum-based needs to offer deep engagement with the discourse of media and propel questions for critical thinking and research.

DR. GUNTASHA K. TULSI is an Assistant Professor at Maharaja Agrasen College, University of Delhi.

NIDHI MADAN is an Assistant Professor at College of Vocational Studies, Delhi University.

Cover Designer: TANYA VERMA



WORLDVIEW PUBLICATIONS  
Delhi and Kolkata

Price: Rs. 350.00



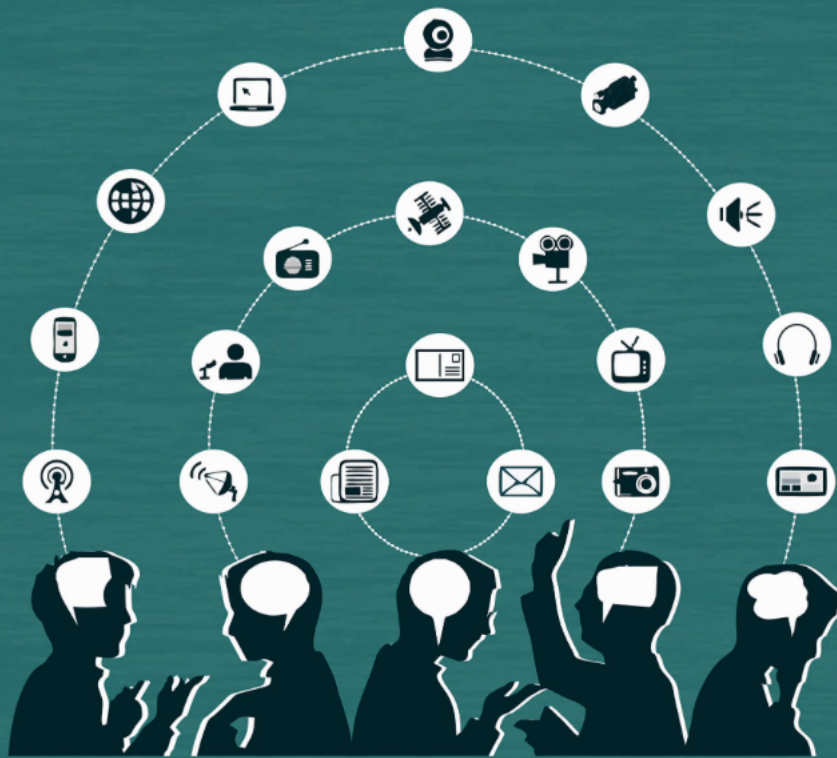
**MEDIA AND COMMUNICATION**

EDITED BY  
GUNTASHA K. TULSI AND NIDHI MADAN

# MEDIA AND COMMUNICATION

## A Handbook for Students

EDITED BY  
GUNTASHA K. TULSI AND NIDHI MADAN



## CONTENTS

*Acknowledgement*

*Preface*

### Unit I

#### **Understanding Mass Media and Mass Communication: Evolution and Ethicality**

Introduction to Mass Communication	3
SUNAINA DUA AND SARITA ANAND	
<i>Box: The Patriarchal Saffronisation of Indian Soap Operas</i>	24
ABEER KAPOOR	
Street Theatre — The Third Theatre:	28
Agents for Social Engineering in India	
SHRIMATI DAS AND ASHA. N. RABB	
<i>Box: A Brief History of Indian Street Theatre</i>	30
KULJEET SINGH	
<i>Box: Theatre Performances in Delhi University</i>	34
KULJEET SINGH	
Evolution and Elements of Print Media: The Newspaper and Its Relevance in Contemporary Times	37
DEBASREE BASU AND NEHA JINGALA	
Mapping the Historical Evolution of Radio and Television in India: A Critical Assessment	50
INDRANI DASGUPTA	
Indian Cinema: A Celluloid Journey through Time	63
PRIYADARSHINI BHATTACHARYYA	
How Paid News Undermines Democracy	76
PARANJOY GUHA THAKURTA AND SOURODIPTO SANYAL	
Media Accountability and Ethical Journalism through Self-Regulation in India: A Critical Analysis	84
MEERA MATHEW	

# EVOLUTION AND ELEMENTS OF PRINT MEDIA: THE NEWSPAPER AND ITS RELEVANCE IN CONTEMPORARY TIMES

DEBASREE BASU AND NEHA JINGALA

---

---

This essay aims to explore the history and development of print technology with special reference to the establishment of Johannes Gutenberg's printing press in the fifteenth century and the gradual dissemination of print culture in China, Japan and Korea. The study highlights the status of the Press in India during colonial and post-independent times and in the contemporary digital era.

## HISTORY OF PRINTING

The emergence and evolution of the printing press is an important part of our civilisation. Printing technology is considered to be an important means for the dissemination of information. In the year 1452, Johannes Gutenberg — a German goldsmith and printer — invented a movable type of printing press that launched a revolution in the printing world. It allowed mass production of printed works with the help of a simple mould and punch system. For almost 300 years, Gutenberg's printing press was the common equipment used for printing. As the number of printing presses grew, the production of books also mushroomed. The usage of the printing press increased the supply of printed materials, and reduced the cost, thereby leading to the possibility of mass production. The dissemination of printed material and easy accessibility to the reading material led to the creation of a new reading public.



Fig. 1. Gutenberg's printing press.

Before the invention of the printing press, books were often made of vellum — a highly durable and expensive material. However, block printing is considered to be the earliest form of printing. In this process,



As contemporary citizens of a fast-paced world which negotiates with transforming realities on an everyday basis, we are both shaping and being shaped by multiple media platforms and communication channels. The interaction with various forms of print, electronic, cyber and digital media around us, has led to opinion-building and made our voices reach out, bringing in changes.

This book arises out of this understanding and seeks to address the pivotal topics pertaining to media and communication — the concept and definition of mass media and its related platforms; typology of mass media comprising of print, broadcast, and digital media; advertising and its relation to mass media; the reach and impact of cyber and new media in the present day and content creation on multiple media platforms.

Curated specifically for the Generic Elective students of 'Media and Communication' paper across all three years, this insightful and well-compiled collection of critical essays, case studies and supplementary material offers diverse perspectives that can cater to the general reader as well. The book goes beyond fulfilling curriculum-based needs to offer deep engagement with the discourse of media and propel questions for critical thinking and research.

DR. GUNTASHA K. TULSI is an Assistant Professor at Maharaja Agrasen College, University of Delhi.

NIDHI MADAN is an Assistant Professor at College of Vocational Studies, Delhi University.

Cover Designer: TANYA VERMA

 WORLDVIEW PUBLICATIONS  
Delhi and Kolkata

Price: Rs. 350.00



**MEDIA AND COMMUNICATION**

EDITED BY  
GUNTASHA K. TULSI AND NIDHI MADAN





The Indian Society of  
Labour Economics



Centre for Development Studies and  
Department of Economics, Rajiv Gandhi University



# LABOUR ECONOMICS CONFERENCE

1-3 MARCH 2023 RAJIV GANDHI UNIVERSITY, ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH

This is to certify that Bik Singh  
presented a paper titled Industrial Structure, Ownership Pattern, and Contractualisation  
in Organised Manufacturing Sector: A firm Level Analysis  
at the 63rd Annual Conference of the Indian Society of Labour Economics (ISLE), organised by the Centre for Development  
Studies and Department of Economics, Rajiv Gandhi University, Itanagar, Arunachal Pradesh during 1-3 March 2023.

VANDANA UPADHYAY  
Organising Secretary

JEEMOL UNNI  
Conference President



**THE FOURTEENTH INTERNATIONAL CONFERENCE ON COMPUTING,  
COMMUNICATION AND NETWORKING TECHNOLOGIES (ICCCNT)  
July 6th - 8th, 2023, IIT - Delhi, Delhi India.**

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. **AMAN KUMAR PANDEY**

of  
**DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY, NEW DELHI, INDIA**

*has presented a paper virtually on*

**A COMPARATIVE ANALYSIS OF DEEP LEARNING BASED HUMAN ACTION RECOGNITION ALGORITHMS**

in the Fourteenth International Conference on computing, Communication and Networking Technologies, held at IIT-Delhi, in association with IEEE Electronics Packaging Society, during July 6<sup>th</sup>-8<sup>th</sup>, 2023.



*Praveen Durrani*  
Conference Chair / Co-chair



*Routledge Studies in Labour Economics*

# INDIA'S INFORMAL ECONOMY

CONTRACTUAL LABOUR IN THE FORMAL  
MANUFACTURING SECTOR

Bir Singh



# Chapter 1

## Climate Change, Its Impacts, and Sustainability Issues in the Indian Himalaya: An Introduction



Seema Rani , Rajesh Kumar, and Pyarimohan Maharana

**Abstract** Climate change poses threats to humans and brings the toughest challenges for economic development in the twenty-first century. The scientific communities warn the world leaders regarding the threats of climate change and its inevitable impacts on the physical and cultural environment. The Intergovernmental Panel on Climate Change (IPCC) reported global warming of 1.5 °C which is a matter of great concern for all the stakeholders around the world. The manifestation of recent climate change is increasing flooding events, shrinking of the cryosphere (mass loss from ice sheets/glaciers, reductions in snow cover), vegetation changes, and loss of biodiversity which are having adverse effects on available resources and aesthetic/cultural aspects of the Indian Himalayas (IH). Hence, it is imperative to study the impacts and responses of the mountainous region towards climate change for sustainable planning and adaptability. This chapter aims to review the scientific works on emerging trends in climate change, its impacts, and sustainability issues in the IH. The review work suggests the need for more research on innovative ideas for better adaptation and to combat the increasingly adverse impacts of climate change.

**Keywords** Indian Himalaya · Climate change · Sustainability · Planning · Adaptability

---

S. Rani (✉)

Department of Geography, Institute of Science, Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh, India

e-mail: [seemarani@bhu.ac.in](mailto:seemarani@bhu.ac.in)

R. Kumar

Department of Geography, School of Human Sciences, Sikkim University, Tadong, Gangtok, Sikkim, India

P. Maharana

School of Ecology and Environment Studies, Nalanda University, Rajgir, Bihar, India

© The Author(s), under exclusive license to Springer Nature Switzerland AG 2022

S. Rani and R. Kumar (eds.), *Climate Change*, Springer Climate,

[https://doi.org/10.1007/978-3-030-92782-0\\_1](https://doi.org/10.1007/978-3-030-92782-0_1)

1



The Board of  
**red'shine**  
PUBLICATION

**Is hereby Awarding this Certificate to**

**Dr. Bijaya Thakur**

**In recognition of the publication of the chapter**

**" INFLUENCE OF DIGITAL MEDIA AS A MARKETING TOOL "**

**In the peer-reviewed edited book entitled**

**"CONTEMPORARY ISSUES IN BUSINESS AND ECONOMICS, VOLUME – 2"**

*Edited by Chitsimran, Dr. Abhishek Pandey, Dr. Archana Sharma, Dr. Arpit Sidhu, Dr. Dilpreet Kaur, Dr. Razia Sehdev,  
Ms Paras Mehak, Ms Sunanda Sharma, Ms Lipika Dhingra, Mr Suraj Prakash*

**Published in Category of Edited Book**

**March, 2023 (First Edition)**

**ISBN: 978-1-312-59259-9 | ISBN-10: 1312592591 | DIP: 10.25215/1312592591 | DOI: 18.10.1312592591**

**www.redshine.co.in**



**Chitsimran**

Assistant Professor

Khalsa College for Women, Amritsar



**Dr. Abhishek Pandey**

Assistant Professor, Mittal School of Business,

Lovely Professional University, Punjab



Certificate Number 81385754378

The Board of  
**red'shine**  
PUBLICATION

**Is hereby Awarding this Certificate to**  
**Dr. Kishor Kumar**  
**In recognition of the publication of the chapter**

" UPSCALING START-UPS ECOSYSTEM IN INDIA "

In the peer-reviewed edited book entitled  
"CONTEMPORARY ISSUES IN BUSINESS AND ECONOMICS, VOLUME - 2"  
*Edited by Chitsimran, Dr. Abhishek Pandey, Dr. Archana Sharma, Dr. Arpit Sidhu, Dr. Dilpreet Kaur, Dr. Razia Sehdev,  
Ms Paras Mehak, Ms Sunanda Sharma, Ms Lipika Dhingra, Mr Suraj Prakash*

Published in Category of Edited Book  
March, 2023 (First Edition)

ISBN: 978-1-312-59259-9 | ISBN-10: 1312592591 | DIP: 10.25215/1312592591 | DOI: 18.10.1312592591

[www.redshine.co.in](http://www.redshine.co.in)



Chitsimran

Assistant Professor  
Khalsa College for Women, Amritsar



Dr. Abhishek Pandey

Assistant Professor, Mittal School of Business,  
Lovely Professional University, Punjab



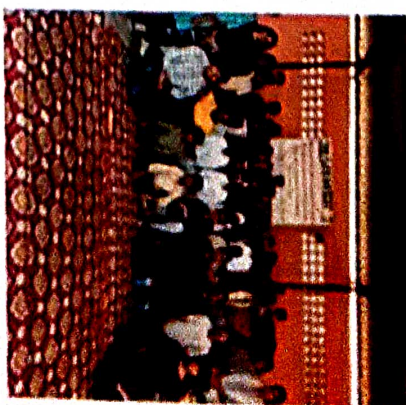
Certificate Number 81385754375

## BODHITREE CONDUCTING A JOINT ACTIVITY WITH STUDENTS OF DELHI UNIVERSITY

---

- A group of fifty students from Satyawati College and Delhi college of Arts and Commerce reached the Faridabad centre of the BodhiTree in Feb,2023

Source:[https://www.facebook.com/thebodhitreengop/hotos\\_by](https://www.facebook.com/thebodhitreengop/hotos_by)



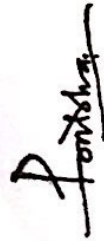
# Certificate of Presentation

*This is to certify that the submission titled*

**Role of financial technology ecosystem activities on financial inclusion: An integrative review**

authored / co-authored by Shubham Chavriya and Gagan Deep Sharma

is presented at **INDAM 2023 @ SBM-NMIMS Mumbai,**  
hosted on **06 – 08 January 2023.**



**Prof. Prashant Mishra**  
Dean, SBM-NMIMS Mumbai



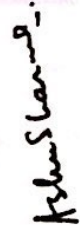
**Prof. Sushanta Mishra**  
President, INDAM



**Prof. Sumit Kundu**  
Vice President, INDAM



**Dr. Sayantan Khanra**  
SBM-NMIMS Mumbai



**Dr. Ashu Sharma**  
SBM-NMIMS Mumbai

# 중급 힌디어

## माध्यमिक हिंदी

저자

손연우, Srijan, D.A.P. Sharma



비매품/무료



9 791197 843617  
ISBN 979-11-978436-1-7





# 35TH ANZAM CONFERENCE

6-7 December, Gold Coast, Australia

*Flourishing in our new normal*

PROUDLY HOSTED BY



## *Letter of Invitation for the Australia and New Zealand Academy of Management Annual Conference 2022*

Guru Gobind Singh Indraprastha University  
Golf Course Road  
Sector 16 C, Dwarka,  
New Delhi, 110078  
India

To Whom It May Concern,

This letter is to formally invite, Shubham Chavriya to attend the Australia and New Zealand Academy of Management Annual Conference 2022. The conference is due to be held 6-7 December 2022 on the Gold Coast, Australia. This invitation follows the acceptance of their paper titled '*Financial inclusion and macroeconomic performance: Connecting the dots, setting the agenda*'.

Yours sincerely,

Caitlin Waddell | Conference Solutions - As agent for ANZAM |  
Phone +61 2 6285 3000 | Email [ANZAM@con-sol.com](mailto:ANZAM@con-sol.com)

01 September 2022

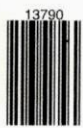
शिक्षार्थी  
हिंदी क्रिया-प्रयोग कोश  
भाग-1

학습자용  
힌디어 동사 활용 사전-1

저자  
손연우, Srijan, D.A.P. Sharma

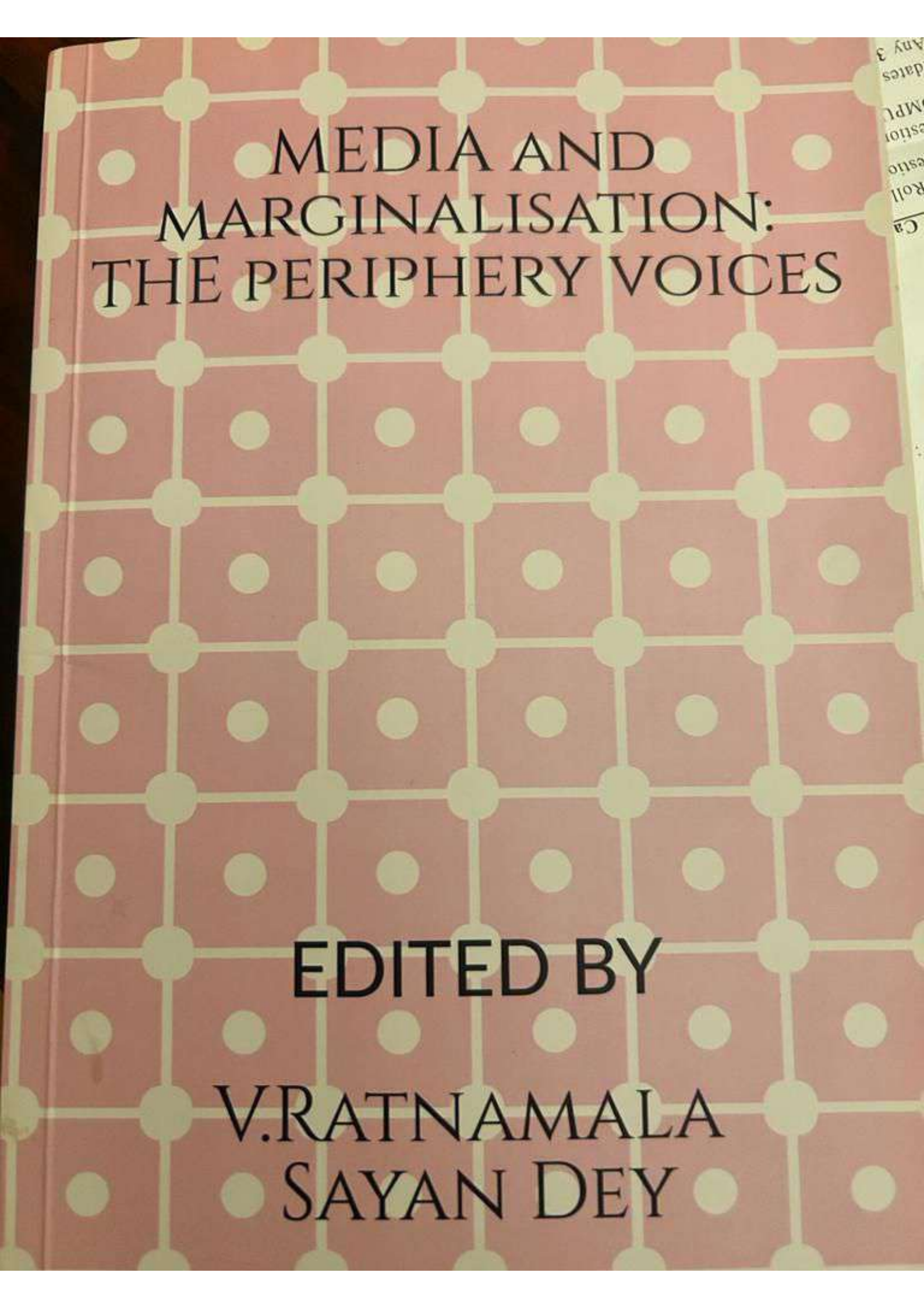


비매품/무료



9 791197 843600

ISBN 979-11-978436-0-0



MEDIA AND  
MARGINALISATION:  
THE PERIPHERY VOICES

EDITED BY

V.RATNAMALA  
SAYAN DEY

# Contents

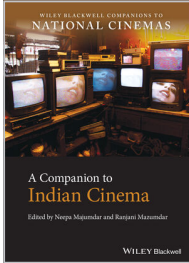
<i>Foreword</i>	
<i>List Of The Contributors</i>	v
1. 'zorami: The Redemption Song' As A Resistance Text	vii
2. Media Representation Of North-east India: A Print Media Analysis	1
3. Representation Of Meitei Pangals (muslim Minorities) In Television Coverage And Newsroom In Manipur	7
4. Ott Platforms And The Sensorium On The Smartphone Screen: Notes From Women's Perspectives	18
5. Emerging Corporate Communication Strategies Among Corporate Firms For Ensuring Women Friendly Workspace During Covid	32
6. A Study Of Men Perception On Dauntless Depiction Of Women In Indian Web Series	48
7. Sexual Objectification Of Women In Tamil Films: Provoking Reality	55
8. Media Representation Of Third Gender: A Study Of Select Hindi Web Series	68
9. Acknowledge Me: Representations Of Transgender In Indian Media And Their Realities	89
10. A Study Of Representation Of An Effeminate Character In Tamil Cinema	105
11. Media And Gender : The Representation Of Third Gender	114
12. Reel Merging Into Real: A Study Of Media Induced Hyper-reality Among University Students	118
13. To Study The Impact Of Digital Media On Digitally Illiterate People	139
14. Radio As A Source Of Information And Education In Rural Areas	149

# Contents

<i>Foreword</i>	
<i>List Of The Contributors</i>	v
1. 'zorami: The Redemption Song' As A Resistance Text	vii
2. Media Representation Of North-east India: A Print Media Analysis	1
3. Representation Of Meitei Pangals (muslim Minorities) In Television Coverage And Newsroom In Manipur	7
4. Ott Platforms And The Sensorium On The Smartphone Screen: Notes From Women's Perspectives	18
5. Emerging Corporate Communication Strategies Among Corporate Firms For Ensuring Women Friendly Workspace During Covid	32
6. A Study Of Men Perception On Dauntless Depiction Of Women In Indian Web Series	48
7. Sexual Objectification Of Women In Tamil Films: Provoking Reality	55
8. Media Representation Of Third Gender: A Study Of Select Hindi Web Series	68
9. Acknowledge Me: Representations Of Transgender In Indian Media And Their Realities	89
10. A Study Of Representation Of An Effeminate Character In Tamil Cinema	105
11. Media And Gender : The Representation Of Third Gender	114
12. Reel Merging Into Real: A Study Of Media Induced Hyper-reality Among University Students	118
13. To Study The Impact Of Digital Media On Digitally Illiterate People	139
14. Radio As A Source Of Information And Education In Rural Areas	149



Home(/en-us) / Subjects(/en-us/Subjects-c-subjects) / Cultural Studies General(/en-us/Cultural+Studies+General-c-CU00) / Film Studies(/en-us/Cultural+Studies+General/Film+Studies-c-CU40)



## A Companion to Indian Cinema

Neepa Majumdar (Editor)(/en-us/search?pq=%7Crelevance%7Cauthor%3ANeepa+Majumdar), Ranjani Mazumdar (Editor)(/en-us/search?pq=%7Crelevance%7Cauthor%3ARanjani+Mazumdar)

ISBN: 978-1-119-04826-8 | August 2022 | Wiley-Blackwell | 624 Pages

READ AN EXCERPT ▼

[Download Product Flyer\(/En-Us/ExportProduct/Pdf/9781119048268\)](#)

### DESCRIPTION

**A new collection in the Wiley Blackwell Companions to National Cinemas series, featuring the cinemas of India**

In *A Companion to Indian Cinema*, film scholars Neepa Majumdar and Ranjani Mazumdar along with 25 established and emerging scholars, deliver new research on contemporary and historical questions on Indian cinema. The collection considers Indian cinema's widespread presence both within and outside the country, and pays particular attention to regional cinemas such as Bhojpuri, Bengali, Malayalam, Manipuri, and Marathi. The volume also reflects on the changing dimensions of technology, aesthetics, and the archival impulse of film. The editors have included scholarship that discusses a range of films and film experiences that include commercial cinema, art cinema, and non-fiction film.

Even as scholarship on earlier decades of Indian cinema is challenged by the absence of documentation and films, the innovative archival and field work in this *Companion* extends from cinema in early twentieth century India to a historicized engagement with new technologies and contemporary cinematic practices. There is a focus on production cultures and circulation, material cultures, media aesthetics, censorship, stardom, non-fiction practices, new technologies, and the transnational networks relevant to Indian cinema.

Suitable for undergraduate and graduate students of film and media studies, South Asian studies, and history, *A Companion to Indian Cinema* is also an important new resource for scholars with an interest in the context and theoretical framework for the study of India's moving image cultures. **\$148.00**

**ADD TO CART**

**WILEY** ABOUT THE AUTHOR (/en-us)



**PERMISSIONS**

**TABLE OF CONTENTS**

**SERIES**

**FOR INDIVIDUALS(/)**

**FOR INSTITUTIONS & BUSINESSES(/BUSINESS)**

**WILEY NETWORK(HTTPS://WWW.WILEY.COM/NETWORK)**

**NEWSROOM(HTTPS://NEWSROOM.WILEY.COM/)**

**ABOUT WILEY(/ABOUT)**

Corporate Responsibility(/Corporate-Responsibility)

Corporate Governance(/Corporate-Governance)

Leadership Team(/Leadership-Team)

Investors(Https://Investors.Wiley.Com/)

Careers(Https://Careers.Wiley.Com/)

**MY ACCOUNT(HTTPS://CUSTOMER.WILEY.COM/CGI-BIN/LANSAWEB?)**

**PROCFUN+SHOPCART+SHCFN11+FUNCPARMS+PARMURL(L0350):HTTPS%3A%2F%2FWWW.WILEY.COM%2FEN-US%2FA%2BCOMPANION%2BTO%2BINDIAN%2BCINEMA-P-9781119048268(A0100):HYBRIS\_US)**

Help(Https://Support.Wiley.Com/)

Contact Us(/Contact)

Cookie Preferences

Site Map(/sitemap)

**E-Book**  
Rights & Permissions(/permissions)

Privacy Policy(/privacy)

**\$148.00**

**ADD TO CART**



[Terms of Use\(/terms-of-use\)](#)

**WILEY** (/en-us)



Copyright © 2000-2022(/copyright) by John Wiley & Sons, Inc.(/), or related companies. All rights reserved.

E-Book

**\$148.00**

**ADD TO CART**

# Contents

Notes on Contributors	viii
Acknowledgements	xiv
Introduction	1
<i>Ranjani Mazumdar and Neepa Majumdar</i>	
<b>Part I Production Cultures and Circulation</b>	<b>35</b>
1 Risky Business: The Structure and Practice of Formal Film Distribution in the Hindi Film Industry	37
<i>Tejaswini Ganti</i>	
2 Spectators from the Past: Remakes, Development, and the Bhojpuri Audience	60
<i>Kathryn Hardy</i>	
3 (Not So) Far from Bollywood: Videocinemas of India	78
<i>Bhaskar Sarkar</i>	
<b>Part II Cinema and Material Traces</b>	<b>101</b>
4 Shifty Outfits: Envisioning the Hindi Film Villain	103
<i>Clare M. Wilkinson</i>	
5 Archival Conjugations: Queer Traces of Love and Loss in Bombay Cinema	122
<i>Debashree Mukherjee</i>	
6 Excavating Movie Queens: The Curious Case of the James Burke Photographs	147
<i>Sabeena Gadihoke</i>	
7 Scenes of Horror: Reading the Documents of Indian Film Censorship	170
<i>Kartik Nair</i>	

<b>Part III</b>	<b>Voices, Bodies, and Figures of Influence</b>	<b>197</b>
8	Dance and Ludic Queerness: A Genealogy of Gestures from Bhagwan to Bachchan <i>Usha Iyer</i>	199
9	Performing the <i>Bhadramahila</i> : Suchitra Sen and Popular Bangla Cinema <i>Smita Banerjee</i>	219
10	Volatile Scales, Contingent Bodies: The Many Voices of Asha Bhosle <i>Shikha Jhingan</i>	239
11	Contemporary Bengali Cinema: Nostalgia, Politics, and the Ghosts of Satyajit Ray <i>Meheli Sen</i>	260
12	The Tamasha Film: Gender, Performance, and Melodramatic Form <i>Aarti Wani</i>	281
<b>Part IV</b>	<b>The Nonfiction Impulse</b>	<b>303</b>
13	The Shikar Film and Photograph: Hunting in Colonial India <i>Veena Hariharan</i>	305
14	Moving Images: Documentary, Sexual Dissidence, and Vectors of Desire <i>Shohini Ghosh</i>	319
15	<i>The Other Song</i> : Gender, Performance, and Aurality in Documentary Film <i>Anuja Jain</i>	339
16	Infrastructures of Political Address: The Film and Media Archive <i>Ravi Vasudevan</i>	360
<b>Part V</b>	<b>Transnational and Transregional Circuits</b>	<b>387</b>
17	In and Out of Alignment: Cold War Sentiment and Hollywood–Bombay Film Diplomacy in the 1950s <i>Nitin Govil</i>	389
18	Coming into Cinema: Critical Cosmopolitanisms of Malayalam Cinema (1930–1955) <i>Bindu Menon</i>	412
19	Affective Logics: Re-making Fidelity and Homosociality in <i>Kaante</i> <i>Monika Mehta</i>	433

20	The “Conscience of Bollywood” in China: Aamir Khan and Transnational Spreadable Media <i>Krista Van Fleit</i>	456
21	“Get on the Train, Baby!” Joining Kashmir and Kanyakumari through Hinglish and English Accents and Language in <i>Chennai Express</i> (2013) <i>Helen Ashton and Rachel Dwyer</i>	473
<b>Part VI Reflections on the Medium/Media Inscriptions</b>		<b>493</b>
22	Staging the Screen, Screening the Stage: Mediation and the Problem of Cinematic Self-Reflexivity <i>Neepa Majumdar</i>	495
23	Radical Time: 1971 and Art <i>Ashish Rajadhyaksha</i>	514
24	Technological Obsolescence and Space in Bombay Cinema <i>Ranjani Mazumdar</i>	540
25	From Unattainable to Distantly Watched Films: Film Archives and their Digital Futures <i>Lawrence Liang</i>	569
	Index	590

Aysha Iqbal Viswamohan  
Editor

# Women Filmmakers in Contemporary Hindi Cinema

Looking through their Gaze

Smilā  
2023.

palgrave  
macmillan

# CONTENTS

<b>1 Introduction: Wonder Women, Iron Ladies</b>	<b>1</b>
Aysha Iqbal Viswamohan	
<b>Part I Auteurial Voices, Bollywood Glamor, Multiple Genres</b>	<b>9</b>
<b>2 ‘Love You <i>Zindagi</i>’: Gauri Shinde’s Celebration of Women and Life on Screen</b>	<b>11</b>
Aysha Iqbal Viswamohan	
<b>3 Zoya Akhtar: Global Genres and Gendered Signatures</b>	<b>33</b>
Praseeda Gopinath and Monika Mehta	
<b>4 Revisioning Family Drama: The Global Spaces of Romance and Science Fiction in Honey Irani’s Stories</b>	<b>55</b>
Madhavi Biswas	
<b>5 Women (Not) Telling Women’s Stories: Tanuja Chandra’s Directorial Journey from Action-Thriller to Romance and Beyond</b>	<b>79</b>
Shreyosi Mukherjee	
<b>6 Reema Kagti and the Ethics of Surprise</b>	<b>97</b>
Ulka Anjaria	

- 7 **Farah Khan: Cinephilia, Nostalgia and Melancholia**  
Sunny Singh 111
- 8 **Guneet Monga: Gender, Labour and the “Disrupter”**  
**Indie Film Producer**  
Nandana Bose 137
- Part II The Transnational and Postcolonial Turns** 159
- 9 **Roots and Routes: Home and the World in Sooni**  
**Taraporevala’s Transnational Storytelling**  
Akriti Rastogi 161
- 10 **Mira Nair and the Cinema of Postcolonial Spectacle**  
Benita Acca Benjamin and Meena T. Pillai 179
- Part III Gender, Sexuality, Subversions** 193
- 11 **Figurations of Fallible Women: The Art and Act of**  
**Writing by Juhi Chaturvedi**  
Madhuja Mukherjee 195
- 12 **Queer Counter-narratives, Feminist Authorship, and the**  
**Inclusive Storytelling of Gazal Dhaliwal**  
Namrata Rele Sathe 215
- 13 **“Rosy Ki Khwaheeshein”:** Scripted Romance and  
**Acquaintance Rape in Alankrita Shrivastava’s Oeuvre of**  
**Female Desire**  
Shuhita Bhattacharjee 237
- 14 **Women at a Distance: Gender Politics and the Past in**  
**Bhavani Iyer’s Writings**  
Tanushree Ghosh 259

Part IV	Spatio-Temporal Specificities	281
15	Marginalizations and Repressions in Vijaya Mehta's <i>Pestonjee</i> and <i>Hamidabai ki Kothi</i> Smita Banerjee	283
16	Reconstructing Motherhood in Ashwiny Iyer Tiwari's <i>Nil</i> <i>Bathey Sannata</i> Priyanka Tripathi	305
	Glossary	319
	Index	321



---

## Marginalizations and Repressions in Vijaya Mehta's *Pestonjee* and *Hamidabai ki Kothi*

*Smita Banerjee*

Vijaya Mehta (1934–) is a well-known name in the annals of Indian New Wave cinema and theatre. Baroda-born and Bombay University-graduate, she trained with the doyen of Indian theatre Ebrahim Alkazi (1925–2020). She is known for her contribution to the experimental and radical impulse in Marathi theatre of the 1960s. Her collaborations with playwrights such as Vijay Tendulkar (1928–2008) and Mahesh Elkunchwar, her production company Rangayan, are well-documented (Rajadhyaksha and Willemsen 1995, p.146; Thoraval 2000, pp. 201–203). Her stint as Chairperson of NSD and NCPA<sup>1</sup> has cemented her place in the history of Indian theatre. She also acted in some of the well-known New Wave films such as Govind Nihalini's *Party* (1984) and Shyam Benegal's *Kalyug* (1981) as well as appearing in few of her directorial ventures such as *Rao Saheb* (1985), and *Hamidabai ki Kothi* (HBK, 1987). She has been described as one of the key women filmmakers from western India (Thoraval 2000) alongside Sai Paranjpye and Kalpana Lajmi. She has directed a total of seven films and

---

S. Banerjee (✉)

Delhi College of Arts & Commerce, Delhi University, New Delhi, India  
e-mail: smita.banerjee@dcac.du.ac.in

© The Author(s), under exclusive license to Springer Nature  
Switzerland AG 2023

A. Iqbal Viswamohan (ed.), *Women Filmmakers in Contemporary  
Hindi Cinema*, [https://doi.org/10.1007/978-3-031-10232-5\\_15](https://doi.org/10.1007/978-3-031-10232-5_15)



# Urban Ecology and Global Climate Change

Edited by **Rahul Bhadouria** ■ **Shweta Upadhyay**  
**Sachchidanand Tripathi** ■ **Pardeep Singh**

WILEY Blackwell

# Urban Ecology and Global Climate Change

*Edited by*

***Rahul Bhadouria***  
*University of Delhi*

***Shweta Upadhyay***  
*Banaras Hindu University*

***Sachchidanand Tripathi***  
*University of Delhi*

***Pardeep Singh***  
*PGDAV College, University of Delhi*

**WILEY Blackwell**

This edition first published 2022

© 2022 John Wiley & Sons Ltd

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, except as permitted by law. Advice on how to obtain permission to reuse material from this title is available at <http://www.wiley.com/go/permissions>.

The right of Rahul Bhadouria, Shweta Upadhyay, Sachchidanand Tripathi, and Pardeep Singh to be identified as the authors of the editorial material in this work has been asserted in accordance with law.

*Registered Offices*

John Wiley & Sons, Inc., 111 River Street, Hoboken, NJ 07030, USA

John Wiley & Sons Ltd, The Atrium, Southern Gate, Chichester, West Sussex, PO19 8SQ, UK

*Editorial Office*

9600 Garsington Road, Oxford, OX4 2DQ, UK

For details of our global editorial offices, customer services, and more information about Wiley products visit us at [www.wiley.com](http://www.wiley.com).

Wiley also publishes its books in a variety of electronic formats and by print-on-demand. Some content that appears in standard print versions of this book may not be available in other formats.

*Limit of Liability/Disclaimer of Warranty*

The contents of this work are intended to further general scientific research, understanding, and discussion only and are not intended and should not be relied upon as recommending or promoting scientific method, diagnosis, or treatment by physicians for any particular patient. In view of ongoing research, equipment modifications, changes in governmental regulations, and the constant flow of information relating to the use of medicines, equipment, and devices, the reader is urged to review and evaluate the information provided in the package insert or instructions for each medicine, equipment, or device for, among other things, any changes in the instructions or indication of usage and for added warnings and precautions. While the publisher and authors have used their best efforts in preparing this work, they make no representations or warranties with respect to the accuracy or completeness of the contents of this work and specifically disclaim all warranties, including without limitation any implied warranties of merchantability or fitness for a particular purpose. No warranty may be created or extended by sales representatives, written sales materials or promotional statements for this work. The fact that an organization, website, or product is referred to in this work as a citation and/or potential source of further information does not mean that the publisher and authors endorse the information or services the organization, website, or product may provide or recommendations it may make. This work is sold with the understanding that the publisher is not engaged in rendering professional services. The advice and strategies contained herein may not be suitable for your situation. You should consult with a specialist where appropriate. Further, readers should be aware that websites listed in this work may have changed or disappeared between when this work was written and when it is read. Neither the publisher nor authors shall be liable for any loss of profit or any other commercial damages, including but not limited to special, incidental, consequential, or other damages.

*Library of Congress Cataloging-in-Publication Data*

Names: Bhadouria, Rahul, 1982– editor. | Upadhyay, Shweta, 1987– editor. | Tripathi, Sachchidanand, editor. | Singh, Pardeep, editor.

Title: Urban ecology and global climate change / edited by Rahul Bhadouria, University of Delhi, Shweta Upadhyay, Banaras Hindu University, Sachchidanand Tripathi, University of Delhi, Pardeep Singh, PGDAV College, University of Delhi.

Description: First edition. | Hoboken, NJ : Wiley, 2022. | Includes bibliographical references and index.

Identifiers: LCCN 2022001032 (print) | LCCN 2022001033 (ebook) | ISBN 9781119807186 (cloth) | ISBN 9781119807193 (adobe pdf) | ISBN 9781119807209 (epub)

Subjects: LCSH: Urban ecology (Biology)--Environmental aspects. | Urban ecology (Sociology)--Environmental aspects. | Urbanization. | Overpopulation. | Climatic changes.

Classification: LCC QH541.5.C6 U735 2022 (print) | LCC QH541.5.C6 (ebook) | DDC 577.5/6--dc23/eng/20220112

LC record available at <https://lcn.loc.gov/2022001032>

LC ebook record available at <https://lcn.loc.gov/2022001033>

Cover Design: Wiley

Cover Images: © lightkey/Getty Images; erlucho/Getty Images; Mike\_Kiev/Getty Images; B'Rob/Getty Images; Chones/Shutterstock; shomos uddin/Getty images; James O'Neil/Getty Images

Rahul Bhadouria ·

Sachchidanand Tripathi · Pardeep Singh ·

P. K. Joshi · Rishikesh Singh *Editors*

# Urban Metabolism and Climate Change

Perspective for Sustainable Cities

 Springer

# Urban Metabolism and Climate Change

Rahul Bhadouria · Sachchidanand Tripathi ·  
Pardeep Singh · P. K. Joshi · Rishikesh Singh  
Editors

# Urban Metabolism and Climate Change

Perspective for Sustainable Cities

 Springer



*Editors*

Rahul Bhadouria  
Department of Environmental Studies  
Delhi College of Arts and Commerce  
University of Delhi  
New Delhi, India

Sachchidanand Tripathi  
Department of Botany  
Deen Dayal Upadhyaya College  
University of Delhi  
New Delhi, India

Pardeep Singh  
Department of Environmental Studies  
PGDAV College  
University of Delhi  
New Delhi, India

P. K. Joshi  
School of Environmental Sciences  
Jawaharlal Nehru University  
New Delhi, India

Rishikesh Singh  
Department of Botany  
Panjab University  
Chandigarh, India

ISBN 978-3-031-29421-1

ISBN 978-3-031-29422-8 (eBook)

<https://doi.org/10.1007/978-3-031-29422-8>

© The Editor(s) (if applicable) and The Author(s), under exclusive license to Springer Nature Switzerland AG 2023

This work is subject to copyright. All rights are solely and exclusively licensed by the Publisher, whether the whole or part of the material is concerned, specifically the rights of translation, reprinting, reuse of illustrations, recitation, broadcasting, reproduction on microfilms or in any other physical way, and transmission or information storage and retrieval, electronic adaptation, computer software, or by similar or dissimilar methodology now known or hereafter developed.

The use of general descriptive names, registered names, trademarks, service marks, etc. in this publication does not imply, even in the absence of a specific statement, that such names are exempt from the relevant protective laws and regulations and therefore free for general use.

The publisher, the authors, and the editors are safe to assume that the advice and information in this book are believed to be true and accurate at the date of publication. Neither the publisher nor the authors or the editors give a warranty, expressed or implied, with respect to the material contained herein or for any errors or omissions that may have been made. The publisher remains neutral with regard to jurisdictional claims in published maps and institutional affiliations.

This Springer imprint is published by the registered company Springer Nature Switzerland AG  
The registered company address is: Gewerbestrasse 11, 6330 Cham, Switzerland

- Wang HC (2022) Case studies of urban metabolism: what should be addressed next? *Urban Aff Rev* 1–20
- Zhang Y (2019) *Urban metabolism*, 2nd edn. Elsevier, Oxford, UK
- Zhang Y, Li Y, Liu G, Hao Y (2018) CO<sub>2</sub> metabolic flow analysis in global trade based on ecological network analysis. *J Clean Prod* 170:34–41. <https://doi.org/10.1016/j.jclepro>

# UNDERSTANDING SOILS OF MOUNTAINOUS LANDSCAPES

*Sustainable Use of Soil Ecosystem Services and Management*



*Edited by*

RAHUL BHADOURIA, SHIPRA SINGH  
SACHCHIDANAND TRIPATHI, AND PARDEEP SINGH



# UNDERSTANDING SOILS OF MOUNTAINOUS LANDSCAPES

---

# UNDERSTANDING SOILS OF MOUNTAINOUS LANDSCAPES

Sustainable Use of Soil Ecosystem  
Services and Management

---

*Edited by*

RAHUL BHADOURIA

*Department of Environmental Studies, Delhi College of Arts and Commerce, University of Delhi,  
New Delhi, India*

SHIPRA SINGH

*School of Environmental Sciences, Jawaharlal Nehru University, New Delhi, India*

SACHCHIDANAND TRIPATHI

*Department of Botany, Deen Dayal Upadhyaya College, University of Delhi, New Delhi, India*

PARDEEP SINGH

*Department of Environmental Studies, PGDAV College, University of Delhi, New Delhi, India*



ELSEVIER

Elsevier

Radarweg 29, PO Box 211, 1000 AE Amsterdam, Netherlands  
The Boulevard, Langford Lane, Kidlington, Oxford OX5 1GB, United Kingdom  
50 Hampshire Street, 5th Floor, Cambridge, MA 02139, United States

Copyright © 2023 Elsevier Inc. All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording, or any information storage and retrieval system, without permission in writing from the publisher. Details on how to seek permission, further information about the Publisher's permissions policies and our arrangements with organizations such as the Copyright Clearance Center and the Copyright Licensing Agency, can be found at our website: [www.elsevier.com/permissions](http://www.elsevier.com/permissions).

This book and the individual contributions contained in it are protected under copyright by the Publisher (other than as may be noted herein).

#### Notices

Knowledge and best practice in this field are constantly changing. As new research and experience broaden our understanding, changes in research methods, professional practices, or medical treatment may become necessary.

Practitioners and researchers must always rely on their own experience and knowledge in evaluating and using any information, methods, compounds, or experiments described herein. In using such information or methods they should be mindful of their own safety and the safety of others, including parties for whom they have a professional responsibility.

To the fullest extent of the law, neither the Publisher nor the authors, contributors, or editors, assume any liability for any injury and/or damage to persons or property as a matter of products liability, negligence or otherwise, or from any use or operation of any methods, products, instructions, or ideas contained in the material herein.

ISBN: 978-0-323-95925-4

For Information on all Elsevier publications  
visit our website at <https://www.elsevier.com/books-and-journals>

*Publisher:* Joseph P. Hayton  
*Acquisitions Editor:* Jessica Mack  
*Editorial Project Manager:* Ali Afzal-Khan  
*Production Project Manager:* Bharatwaj Varatharajan  
*Cover Designer:* Matthew Limbert

Typeset by MPS Limited, Chennai, India



# Prediction of land cover changes of Khagrachhari Hilly Upazila using artificial-neural-network-based cellular automata model

G.N. Tanjina Hasnat<sup>1</sup> and Rahul Bhadouria<sup>2</sup>

<sup>1</sup>Institute of Forestry and Environmental Sciences, University of Chittagong, Chattogram, Bangladesh <sup>2</sup>Department of Environmental Studies, Delhi College of Arts and Commerce, University of Delhi, New Delhi, India

## O U T L I N E

<b>17.1 Introduction</b>	<b>326</b>	<b>17.3 Results and discussion</b>	<b>331</b>
<b>17.2 Methods and methodology</b>	<b>327</b>	17.3.1 Changes in LULC between 1990 and 2014	332
17.2.1 Study site	327	17.3.2 Predicted future changes in LULC between 2020 and 2050	335
17.2.2 Data collection, processing, and base map preparation	327	17.3.3 Changes in LULC between 1990 and 2050	337
17.2.3 Cellular automata model based on artificial neural networks	328	17.3.4 Vegetation change dynamics between 1990 and 2050	338
17.2.4 Transitional potential modeling	329	<b>17.4 Conclusion</b>	<b>340</b>
17.2.5 Cellular automata simulation, prediction, and model validation	330	<b>References</b>	<b>341</b>

# Chapter 1

## Urban Metabolism and Global Climate Change: An Overview



**Rahul Bhadouria, Sachchidanand Tripathi, Pardeep Singh, P. K. Joshi, and Rishikesh Singh**

**Abstract** Urban centres are increasingly challenged by population increase and the resultant environmental concerns including the urban sprawl and climate change. Moreover, different patterns of urbanization contribute to the changing climate via differences in their urban metabolism represented by energy and matter. Urban metabolic studies in terms of energy and material inflows, outflows, and stocks can be associated with traditional evaluation techniques to help assess the magnitude and potential effects of variety of environmental challenges the world is facing today. Further, urban centres are critical real-time observatories that indicate the impact of anthropogenic activities on global biogeochemical cycles. For example, urban processes have significant and lasting impacts on the global carbon budget. It has also been observed that the technology and infrastructure advancements have fuelled increase in urban inputs and outputs of material and energy. Therefore, more sustainable approaches need to be adopted in changing scenarios for urban planning, particularly for sustainable resource utilization and better waste management practices. Taking a lead from the systematic review from 1990 to 2023, the chapter provides research trend analysis on urban metabolism in the backdrop of changing climate. It discusses the sustainability in urban metabolism, sustainable urban planning, ecosystem services, and disaster resilience so as to provide an interdisciplinary understanding of urban metabolism. The chapter identifies an urgent need to develop new methodological approaches for real-time and reliable evaluation of urban metabolism.

---

R. Bhadouria  
Delhi College of Arts and Commerce, University of Delhi, Delhi, India

S. Tripathi (✉)  
Deen Dayal Upadhyaya College, University of Delhi, Delhi, India  
e-mail: [drsachchidanandtripathi@ddu.du.ac.in](mailto:drsachchidanandtripathi@ddu.du.ac.in)

P. Singh  
PGDAV College, University of Delhi, Delhi, India

P. K. Joshi  
Jawaharlal Nehru University, Delhi, India

R. Singh  
Panjab University, Chandigarh 160014, India